(ख) इस संबंध में अब तक पूरे किए गए कार्यों का तथा उन कार्यों का ब्यौरा क्या है जिन्हें भविष्य में पूरा किया जाएगा; और

(ग) इन योजनाओं की कुल लागत कितनी है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) से (ग) समाधि को 30 लाख रु० की अनुमानित लागत पर दो चरणों में विकसित करने का प्रस्ताव है। प्रथम चरण, जिसमें वास्तविक समाधि का निर्माण ग्रेनाइटयुक्त प्लिंथ तथा समाधि के आसपास के क्षेत्र का भराव शामिल है, दिसंबर, 1990 में पूरा कर लिया गया था।

विकास का द्वितीय चरण दो भागों में पूरा होगा। प्रथम भाग में समाधि के चारों तरफ़ भूदृश्य, मौजूदा हौदी का भराव, अति विशिष्ट व्यक्तियों तथा साधारण जनता के उपयोग के लिये प्रवेश-मार्गों का पत्थरयुक्त निर्माण शामिल होगा और इसे शीघ्र ही आरंभ करने तथा नवंबर, 1991 तक पूरा करने की संभावना है।

दूसरे भाग में जल निकास व्यवस्था में परिवर्तन तथा मौजूदा हौदियों/तालाबों का उपयुक्त ढंग से पुनस्थापन और चौपाल, शौचालय खंड, पुस्तकों की दुकान, कार-पार्किंग, प्रवेश द्वार इत्यादि का निर्माण शामिल होगा। कार्य की ये मदें जनवरी, 1992 में आरंभ करने तथा मई, 1992 में पूरा करने की संभावना है।

Review of Agricutural Price Policy

4. SHRI DEBABRATA BISWAS: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government propose to review the agricultural price policy; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) and (b) The Government reviews the price policy for major Kharif and Rabi crops every year after considering the recommendations of the Commission for Agricultural Costs and Prices. The price policy for kharif crops of 1991-92 is under consideration.

इलाहाबाद से वाराणसी के बीच छोटी रेल लाइन को बड़ी रेल लाइन में बदलना

5. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की पूर्वोत्तर रेलवे के अन्तर्गत इलाहाबाद से वाराणसी के बीच बिछी छोटी रेल लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने की कोई योजना है; और

(ख) यदि हां, तो इसके कब तक क्रियान्वित हो जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) और (ख) पूर्वोत्तर रेलवे पर इलाहाबाद से वाराणसी तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए एक प्रस्ताव योजना आयोग के पास अनुमोदनार्थ भेजा गया है। योजना आयोग का अनुमोदन प्राप्त होने के बाद-ही इस कार्य को मंजूरी देने के बारे में विचार किया जा सकता है।

Conversion of Nadiad — Kapadvanj Railway Line

6. SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the work of conversion of Nadiad-Kapadvanj narrow gauge line into broad gauge line and construction of the proposed Nadia-Kapadvani-Modasa

railway line have been adversely affected; and

(b- if so, by when the work on the proposed railway line would be started in full swing?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) and (b) Work on conversion of Nadiad-Kapadvanj portion is already in full swing. The work on the new line portion of the project is being regulated since the new line, being in continuation of the line under conversion, cannot be put to use till the conversion has been completed.

बारुका सिंचाई परियोजना म० प्र० को स्वीकृति

7. **श्री अजीत सिंह जोगी :**

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर :

क्या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के रायपुर जिले के गरियाबन्द क्षेत्र में बारुका सिंचाई परियोजना स्वीकृति हेतु लम्बित पड़ी है, और

(ख) यदि हां, तो इस परियोजना को कब तक स्वीकृति दे दिये जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० सी० शुक्ल) : (क) और (ख) केन्द्र में बरुका सिंचाई परियोजना की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है । तथापि, महानदी जलाशय परियोजना के सोपान–3 के रूप में महानदी जलाशय परियोजना प्रणाली को मानसून के दौरान अधिशेष जल व्यपवर्तित करने के लिए बरुका गांव के पास पैरी नदी पर एक उच्च बांध के निर्माण की परिकल्पना है । महानदी जलाशय परियोजना की स्थिति पर एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

महानदी जलाशय परियोजना पर स्थिति रिपोर्ट

प्रारम्भ में महानदी जलाशय परियोजना सोपान-एक प्रारम्भ में 15.36 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से वर्ष 1971 में योजना आयोग द्वारा अनुमोदित की गयी थी। इस समय तीन सोपानों सहित एक संशोधित पर्ि योजना रिपोर्ट, जिसकी अनुमानित लागत वर्ष 1989 के मूल्यों पर 916.3 करोड़ रुपए आंकी गयी है, से छत्तीसगढ़ क्षेत्र के रायपुर तथा दुर्ग जिलों में 5 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की योजना है। संशोधित परियोजना रिपोर्ट केन्द्र में 2/90 के दौरान प्राप्त हुई थी। अब तक नहरों द्वारों तथा तटबन्धों के संबंध में अभिकल्प पहलू निर्बाधित किए गए हैं। सिंचाई, आयोजना, जल विज्ञान तथा वित्तीय पहलुओं पर केन्द्रीय जल आयोग की टिप्पणियां राज्य को उनकी अनुपालना हेतु 11/90 को भेज दी गयी हैं।

परियोजना :–महानदी जलाशय परियोजना में मुख्य महानदी पर एक बांध शामिल हैं, जो बाद में पोषक/लिंग नहरों की श्रृंखला के माध्यम से तंदौला, मुरुमसिलि, दुन्धा, सन्दुर तथा रुद्री नामक जलाशयों को अन्त: सम्बद्ध करेगी। इन जलाशयों के अतिरिक्त जो पैरी सहायक नदी पर अन्य बांधाओं पैरी उच्च बांध के रूप में अन्य बांध जाना जाता हैं, को मानसून के दौरान महानदी जलाशय परियोजना प्रणाली में अधिशेष जल को व्यपवर्तित करने के लिए नियोजित किया गया है ।

कार्य की स्थिति (दिसम्बर, 1990 के अनुसार) सन्दुर बांध सभी पहलुओं से पूरा हो गया है । रुद्री बराज पूरा होने की उन्नत अवस्था में है । पैरी उच्च बांध के संबंध में प्रारम्भिक सर्वेक्षण/अन्वेषण पूरे किए जा चुके हैं । मुरुमसिलि बांध पर सुधार कार्य पूरे होने वाले हैं । दुधवा बांध पर सुधार कार्य पूरा होने की उन्नत अवस्था में है । पोषक/लिंक नहरों के संबंध, सन्दुर पोषक के संबंध में